नीतीश मिश्रा
Nitish Mishra

मंत्री
ग्रामीण विकास विभाग
बिहार
- सह -
अध्यक्ष
राज्यस्तरीय निगरानी एवं अनुश्रवण समिति
बिहार

पत्रांक/Ref No 818/मं०

दिनांक/Dated : 24/10/14

अध्यक्ष,
बिहार राज्य आपदा पुनर्वास सोसायटी,
–सह–विकास आयुक्त,
बिहार, पटना ।

आप अवगत हैं कि **वर्ष 2008** में 'बिहार का शोक' कही जानेवाली कोशी नदी के **कुशहा बांध टुटने** से हुई भीषण त्रासदी से कई जिले– सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णियां एवं अररिया आदि प्रभावित हुये । इनमें से कतिपय जिलों के सम्पूर्ण प्रखंड तो कुछ जिलों के अनेक प्रखंड अत्यधिक रूप से तो कुछ जिलों के कई प्रखंड आंशिक रूप से प्रभावित हुये थे । आपदा प्रबंधन मंत्री के रूप में मैने भी इन जिलों में कैम्प कर लगातार सम्पर्क एवं भ्रमण कर राहत एवं बचाव कार्य में भाग लिया था । कोशी त्रासदी के प्रभावित लोगों के पुनर्वास एवं विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु कई योजनायें मुर्त्त रूप में संचालित की जा रही हैं । **तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सुन्दर कोशी बनाकर देने की महत्वाकांक्षी परियोजना की पहल की ।** इसी क्रम में पुर्ननिर्माण का कार्य आरंभ किया गया । कार्यों के सफल कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण हेतु **"बिहार राज्य आपदा पुनर्वास सोसायटी"** का गठन कर इस दिशा में सार्थक प्रयास जारी है ।

पुर्ननिर्माण कार्य के क्रम में प्रभावित क्षेत्रों के आधारभूत संरचनाओं के क्षति के आकलन के अनुरूप प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वयन श्रेयष्कर होगा ।

सरकार ने कोशी क्षेत्र के पुनर्निर्माण के लिये विश्व बैंक से ऋण प्राप्त कर कई महत्वपूर्ण कार्यों को धरातल पर लाने का प्रयास किया है । इसी क्रम में **बिहार कोशी बेसीन डवलपमेंन्ट परियोजना (BKBDP-KOSI-II)** के अन्तर्गत **"Augmenting Connectivity"** के तहत पूल–पुलियों के निर्माण की स्वीकृति दी गयी है, जिसके अवलोकन से प्रतीत होता है कि कतिपय ऐसे स्थल इससे वंचित रह गये हैं जो 'कोशी– आपदा' से पूर्णरूपेण प्रभावित हुये है ।

मेरा **सुझाव** होगा कि उक्त विकट त्रासदी में भीषण रूप (पूर्ण रूपेण), सर्वाधिक, अधिक एवं आंशिक रूप से प्रभावित प्रखंडों/स्थलों को चिन्हित कर **प्राथमिकता** के आधार पर पुनर्निर्माण कार्य कराया जाय । फलस्वरूप, पुर्णरूपेण ध्वस्त हो चुके आधारभूत संरचनाओं का सर्वप्रथम तत्पश्चात् सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों का तदोपरांत आंशिक प्रभावित क्षेत्रों का **क्रमवार संयोजकता (Connectivity) एवं अन्य सुविधायें** उपलब्ध हो सके, जिससे कि समानरूप से विकास कार्य परिलक्षित हो ।

शुभकामनाओं के साथ,

Nitish Mishra 24.10.1

(नीतीश मिश्रा)

कार्यालय (Office) : पुराना सचिवालय, पटना - 800015, टेलीफैक्स (Telefax) : 0612-2205331
आवास (Resi.) : 12, जवाहर लाल नेहरू मार्ग (बेली रोड), पटना। दूरभाष (Tele.) : 0612-2215218, टेलीफैक्स (Telefax) : 0612-2215977
ई-मेल (E-mail) : nitishmishraoffice@gmail.com | वेबसाइट (website) : www.rdd.bih.nic.in

IMP-45.doc

नीतीश मिश्रा
Nitish Mishra

मंत्री
ग्रामीण विकास विभाग
बिहार
- सह -
अध्यक्ष
राज्यस्तरीय निगरानी एवं अनुश्रवण समिति,
बिहार

पत्रांक / Ref. No. : 818/मं०   दिनांक / Date : 24/10/14

अध्यक्ष,
बिहार राज्य आपदा पुनर्वास सोसायटी,
–सह–विकास आयुक्त,
बिहार, पटना ।

आप अवगत हैं कि **वर्ष 2008** में 'बिहार का शोक' कही जानेवाली कोशी नदी के **कुशहा बांध टुटने** से हुई भीषण त्रासदी से कई जिले– सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णियां एवं अररिया आदि प्रभावित हुये । इनमें से कतिपय जिलों के सम्पूर्ण प्रखड तो कुछ जिलों के अनेक प्रखंड अत्यधिक रूप से तो कुछ जिलों के कई प्रखंड आंशिक रूप से प्रभावित हुये थे । आपदा प्रबंधन मंत्री के रूप में मैंने भी इन जिलों में कैम्प कर लगातार सम्पर्क एवं भ्रमण कर राहत एवं बचाव कार्य में भाग लिया था । कोशी त्रासदी के प्रभावित लोगों के पुनर्वास एवं विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु कई योजनायें मुर्त्त रूप में संचालित की जा रही हैं । **तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सुन्दर कोशी बनाकर देने की महत्वाकांक्षी परियोजना की पहल की ।** इसी क्रम में पुर्ननिर्माण का कार्य आरंभ किया गया । कार्यों के सफल कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण हेतु **"बिहार राज्य आपदा पुनर्वास सोसायटी"** का गठन कर इस दिशा मे सार्थक प्रयास जारी है ।

पुर्ननिर्माण कार्य के क्रम में प्रभावित क्षेत्रों के आधारभूत संरचनाओं के क्षति के आकलन के अनुरूप प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वयन श्रेयष्कर होगा ।

सरकार ने कोशी क्षेत्र के पुनर्निर्माण के लिये विश्व बैंक से ऋण प्राप्त कर कई महत्वपूर्ण कार्यों को धरातल पर लाने का प्रयास किया है । इसी क्रम में **बिहार कोशी बेसीन डवलपमेन्ट परियोजना (BKBDP-KOSI-II)** के अन्तर्गत **"Augmenting Connectivity"** के तहत पूल–पुलियों के निर्माण की स्वीकृति दी गयी है, जिसके अवलोकन से प्रतीत होता है कि कतिपय ऐसे स्थल इससे वचित रह गये हैं जो 'कोशी– आपदा' से पूर्णरूपेण प्रभावित हुये है ।

मेरा **सुझाव** होगा कि उक्त विकट त्रासदी में भीषण रूप (पूर्ण रूपेण), सर्वाधिक, अधिक एवं आंशिक रूप से प्रभावित प्रखंडों/स्थलों को चिन्हित कर **प्राथमिकता** के आधार पर पुनर्निर्माण कार्य कराया जाय । फलस्वरूप, पुर्णरूपेण ध्वस्त हो चुके आधारभूत संरचनाओं का सर्वप्रथम तत्पश्चात् सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों का तदोपरांत आंशिक प्रभावित क्षेत्रों का **क्रमवार संयोजकता (Connectivity) एवं अन्य सुविधायें** उपलब्ध हो सके, जिससे कि समानरूप से विकास कार्य परिलक्षित हो ।

शुभकामनाओं के साथ,

ह0/–
(नीतीश मिश्रा)

कार्यालय (Office) : पुराना सचिवालय, पटना-800015, टेलीफैक्स (Telefax) : 0612-2205331
आवास (Resi.) : 12, जवाहर लाल नेहरू मार्ग (बेली रोड), पटना। दूरभाष (Tele.) : 0612-2215218, टेलीफैक्स (Telefax) : 0612-2215977
ई-मेल (E-mail) : nitishmishraoffice@gmail.com, वेबसाईट (website) : www.rdd.bih.nic.in

IMP-45.doc

Contd to 2/

प्रतिलिपि–परियोजना निदेशक, बिहार राज्य आपदा पुनर्वास सोसायटी, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित ।

Nitish Mishra

(नीतीश मिश्रा) 24.10.14